>

Title: Need to provide adequate power to Bihar from the Central pool.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर): बिहार प्रदेश का आम आदमी विद्युत की कमी से लाचार एवं बेबस होता जा रहा है। बिजली विकास की मूल आवश्यकता है। इसके अभाव में खेती, पढ़ाई, उद्योग–धंधे सभी पर प्रभाव पड़ रहा है। बिहार प्रदेश के पास अपना उत्पादन शून्य है। विद्युत खपत के लिए पूरी तरह से केन्द्रीय आबंटन पर निर्भर बिहार आवश्यक एवं न्यायपूर्ण बिजली की आपूर्ति से वंचित है।

पूर्वी परिक्षेत्र में विद्युत उत्पादन खपत से अधिक होने पर भी बिहार को बिजली न देकर पूर्वी क्षेत्र से बाहर दक्षिणी–उत्तरी एवं पश्चिमी इलाके को पावरग्रिड के माध्यम से बिजली दी जाती है। जबकि उत्पादन के घटने का कारण देकर बिहार प्रदेश के लिए आबंटित बिजली में कटौती कर दी जाती है। क्षेत्रीय स्तर पर उत्पादन एवं खपत के अंतर को पाटने के लिए ही केन्द्रीय परिक्षेत्र के उत्पादन को राष्ट्रीय पावरग्रिड के माध्यम से आपूर्ति सुनिश्चित की जाती है। बिहार प्रदेश को आबंटित बिजली एवं खपतमें 30 प्रतिशत के आसपास अंतर है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह अंतर 6 प्रतिशत है। ऐसी हालत में बिहार के साथ न्याय हो सके, राष्ट्रीय स्तर पर विद्युत उपलब्धता में से और अधिक बिजली बिहार को देना न्यायोचित होगा और वह भी तब जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिव्यक्ति खपत से बिहार में प्रतिव्यक्ति खपत अत्यधिक कम है।

MADAM SPEAKER: Now 'Zero Hour' - Shri Sharad Yadav.